नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

ज्ञान शांति मैत्री

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

विकास एवं शांति अध्ययन विभाग में व्याख्यान

गांधी विचार को प्रयोगशाला से जीवित रखना जरूरी - सर्वोदय प्रसाद

वर्धा, 16 मार्च 2017: गांव के विकास का विकल्प गांधी मॉडल में है। गांधी के ग्रामीण विकास के मॉडल को अपनाकर प्रयोगशाला के माध्यम से उनके विचारों को जीवित रखने की आवश्यकता है। उक्त मत सुप्रसिद्ध गांधी विचारक सर्व सेवा संघ के सचिव जी.वी.वी.एस. प्रसाद, हैदराबाद ने व्यक्त किए। वे महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के विकास एवं शांति अध्ययन विभाग की ओर से बुधवार को आयोजित विशेष व्याख्यान में बोल रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवाग्राम आश्रम प्रतिष्ठान, वर्धा के अध्यक्ष जयवंत मठकर ने की । इस अवसर पर विकास एवं शांति अध्ययन विभाग के अध्यक्ष डॉ. नृपेंद्र प्रसाद मोदी मंचासीन थे।

प्रसाद ने महात्मा गांधी के गावों के विकास से संबंधित विचारों के साथ-साथ केंद्रीकरण, विकेंद्रीकरण, सामूहिक श्रम, स्वयंनिर्भरता आदि का विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि गांधी विचारों पर समर्पण के साथ अमल करने से गांव के विकास का रास्ता मिल सकता है। उनका कहना था कि गांधी के विचारों के आधार पर प्रयोगशाला बनाकर उनकी विचार-दृष्टि को व्यापकता दी जा सकती है। अध्यक्षीय वक्तव्य में जयवंत मठकर ने आज़ादी के बाद के वर्षों का उल्लेख कर कहा कि देश की बढ़ती हुई जनसंख्या को काम देने का प्रबंध हम नहीं कर पाए जिसे बेकारी पैदा हुई है। देश के 30 करोड लोग बेकार है और अनुत्पादक भार की वजह से अर्थव्यवस्था कमजोर हो रही है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों के उत्पादों से देशज उत्पादों की अनदेखी हो रही है।

डॉ. नृपेंद्र प्रसाद मोदी ने बताया कि गांधी विचारों को धरातल पर लाने के लिए प्रयोगशाला बनाने का प्रस्ताव सामने आया है। इसके उद्देश्य के मूल में श्रम, स्वावलंबन और सामूहिक प्रयासों से विकास करना है।

कार्यक्रम में विकास एवं शांति अध्ययन विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. राकेश मिश्र, चित्रा माली, भाषा विद्यापीठ के डॉ. अनिल कुमार दुबे, जनसंचार विभाग के राजेश लेहकपुरे, डॉ. लेखराम दन्नाना, डॉ. अरूण प्रताप सिंह, बी. एस. मिरगे सहित शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय
संस्कृति विद्यापीठ

महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय
संस्कृति विद्यापीठ

महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय
संस्कृति विद्यापीठ
विकास एवं शांति अध्ययन विभाग

विकास व शांती अध्ययन विभागात व्याख्यान

गांधी विचारांना प्रयोगशाळेतून जिवंत ठेवणे गरजेचे - सर्वोदय प्रसाद

वर्धा, 16 मार्च 2017: खेडयांच्या विकासाचा पर्याय गांधी विचारात आहे. प्रयोगशाला निर्माण करून त्यांचे विचार जिवंत ठेवणे आवश्यक आहे असे प्रतिपादन सुप्रसिद्ध गांधी चिंतक सर्व सेवा संघाचे सचिव जी.वी.वी.एस.प्रसाद, हैदराबाद यांनी केले. ते महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयातील विकास व शांती अध्ययन विभागाच्या वतीने बुधवारी आयोजित विशेष व्याख्यानात बोलत होते. कार्यक्रमाच्या अध्यक्षस्थानी सेवाग्राम आश्रम प्रतिष्ठानचे अध्यक्ष जयवंत मठकर होते. यावेळी विकास व शांती अध्ययन विभागाचे अध्यक्ष डॉ. नृपेंद्र प्रसाद मोदी मंचावर उपस्थित होते.

प्रसाद यांनी केंद्रीकरण, विकेंद्रीकरण, सामूहिक श्रम, आत्मनिर्भरता इत्यादी विषय गांधी दृष्टीतून मांडले. ते म्हणाले की गांधीजींच्या विचारांच्या आधारावर प्रयोगशाळा तयार करून त्यांची विचार-दृष्टी व्यापक करता येईल. जयवंत मठकर म्हणाले की स्वातंत्र्यानंतर देशाची लोकसंख्या वाढली परंतु लोकांच्या हातांना काम देण्याचे धोरण आम्ही निटपणे आखले नाही त्यामुळे आज देशात 30 कोटी लोक बेकार झालेत. अनुत्पादक भारामुळे अर्थव्यवस्था कमजोर होत आहे असेही मत त्यांनी नोंदविले. डॉ. नृपेंद्र प्रसाद मोदी म्हणाले की गांधीजींचे विचार अंमलात आणण्यासाठी प्रयोगशाळा तयार करण्याचा प्रस्ताव पुढे आला आहे. प्रस्तावाच्या मूळात श्रम, स्वावलंबन आणि सामूहिक प्रयत्नातून विकास के तत्व आहे.

यावेळी डॉ. राकेश मिश्र, चित्रा माली, डॉ. अनिल कुमार दुबे, राजेश लेहकपुरे, डॉ. लेखराम दन्नाना, डॉ. अरूण प्रताप सिंह, बी. एस. मिरगे यांच्यासह विद्यार्थी उपस्थित होते.